14.06 hrs.

Title: Need to ensure remunerative price to the B.T. Cotton growers of Gujarat.

श्री चन्द्रेश पटेल (जामनगर) : अध्यक्ष जी, आज तक गुजरात में बी.टी. कपास का विवाद खड़ा हुआ है जिससे बड़ी मात्रा में किसानों को नुकसान हो रहा है। इस संबंध में बातचीत करने एवं किसानों की समस्या सुलझाने के लिए केन्द्र की तरफ से एक टीम गुजरात आई थी लेकिन बिना बातचीत किये तथा बिना कुछ निर्णय लिये वह केन्द्रीय टीम गुजरात से वापस लौटी। बड़ी मात्रा में यह बी.टी. कपास बाजार में आ चुका है और अब खरीदारी भी नहीं हो सकती। गुजरात एवं मध्य प्रदेश में इस बी.टी. कपास की खरीदारी का प्रयास भी असफल हुआ है।

बी.टी. कपास को पेस्टीसाइट कंपनियां बंद कराना चाहती हैं क्योंकि बी.टी. कपास में दवाइयों (पेस्टीसाइट) की जरुरत कम होती है।

मेरी सरकार से प्रार्थना एवं मांग है कि बी.टी. कपास की खरीदारी होनी चाहिए और उनका उचित दाम किसानों को मिलना चाहिए।